<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 4333

07 जनवरी, 2019 को उत्तर के लिए

पेशेवरों को प्रशिक्षण

4333. श्री कलिकेश एन॰ सिंह देवः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की देश में प्रति व्यक्ति इस्पात का उपभोग बढ़ाने के उद्देश्य से इस्पात उद्योग में पेशेवरों की संख्या को बढ़ाने हेतु कोई पहल करने की योजना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) देश में धातु-विज्ञान में व्यक्तियों को व्यावसायिक ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए समर्पित सरकारी संस्थानों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने इस्पात क्षेत्र के कार्यकरण में पेशेवर लाभ के प्रति जागरूकता बढ़ाने/सृजित करने हेतु कोई पहल की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) और (ख): जी नहीं। देश में प्रतिव्यक्ति इस्पात की खपत बढ़ाने के उद्देश्य से इस्पात उद्योग में कार्यरत पेशेवरों की संख्या बढ़ाने का सरकार का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) से (ङ): वर्तमान में इस्पात मंत्रालय के अधीन ऐसा कोई संगठन नहीं हैं, जो धातु-विज्ञान में डिप्लोमा/डिग्री कोर्स प्रदान कर रहा है। इस्पात उद्योग में तकनीकी विकास पर जागरुकता बढ़ाने के लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सेकेण्डरी स्टील टेक्नोलॉजी (एनआईएसएसटी) सेमिनार, कार्यशाला इत्यादि संचालित कर रहा है। इस्पात मंत्रालय द्वारा सहायता प्राप्त इंस्टिट्यूट फॉर स्टील डेवलपमेंट एंड ग्रोथ (आईएनएसडीएजी) इस्पात की खपत बढ़ाने हेतु एक सप्ताह तक की अवधि वाले जागरुकता/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करती है।

*****